नवोन्मेष
रुक्टा (राष्ट्रीय)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

(अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org

केन्द्रीय कार्यालय	:	देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004
प्रधान कार्यालय	:	सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर-305001 (राज.)
अध्यक्ष	:	डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत, बीकानेर मो. 9414452369, 9983007575
महामंत्री	:	डॉ. नारायणलाल गुप्ता, अजमेर मो. 9414497042

परिपत्र क्रं. : रुक्टा (रा.)/2014-15/04 वैशाख सुदी ४ वि. स. २०७२ तदनुसार 22 अप्रेल, 2015

(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार।

पिछले परिपत्र के पश्चात् उच्च शिक्षा मंत्रीजी से भेंट, प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक एवं नवसंवत्सर कार्यक्रमों के विवरण सहित संगठन की अन्य गतिविधियों के साथ यह परिपत्र प्रस्तुत है।

शिक्षक समस्याओं के संबंध में संगठन की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1. **वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान स्वीकृति पर 3 प्रतिशत वेतनवृद्धि के आदेश जारी** - आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान ने आदेश क्रमांक एफ 8(17)रुक्टा(राष्ट्रीय)अकाद/निकाशि/2011/177 दिनांक 22-4-2015 के द्वारा महाविद्यालय शिक्षकों को वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान स्वीकृति पर 3 प्रतिशत वेतनवृद्धि के स्पष्टीकरण जारी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के वित्त विभाग के आदेश क्रमांक एफ14(1)एफ डी (रुल्स)/2009 दिनांक 12-10-2009 के बिन्दु संख्या 19 में सी.ए.एस. योजना के तहत वरिष्ठ व चयनित वेतनमान स्वीकृति के समय 3 प्रतिशत वेतनवृद्धि का प्रावधान है। किन्तु अनेक महाविद्यालयों में शिक्षकों को उक्त लाभ नहीं दिया जा रहा था। संगठन के ध्यान में लाने पर संगठन द्वारा सरकार से इस संबंध में अविलम्ब स्पष्टीकरण आदेश जारी करने की मांग की गई। संगठन के निरन्तर प्रयासों की परिणिति में प्रशासनिक विभाग शिक्षा (ग्रुप 3) की आई. डी. संख्या 216 दिनांक 1-4-2015 तथा वित्त विभाग की आई. डी. संख्या 151500194 दिनांक 12-3-2015 के अनुसरण में आयुक्तालय द्वारा उक्त आदेश प्रसारित किये गये।
2. **वरिष्ठ एवं चयनित वेतनमान की एरियर राशि नकद भुगतान के आदेश जारी** - संगठन द्वारा निरन्तर सम्पर्क कर दबाब बनाने के परिणामस्वरूप आयुक्त कॉलेज शिक्षा राजस्थान ने आदेश क्रमांक एफ 1(92)पीएस/सीसीई/13/1051-54 दिनांक 10-12-2014 के द्वारा 189 शिक्षकों को वरिष्ठ एवं 356 शिक्षकों को चयनित वेतनमान स्वीकृत किया। इसके एरियर राशि के नगद भुगतान को लेकर राजकीय महाविद्यालय कोटा सहित अन्य कुछ महाविद्यालयों में प्रशासन एवं लेखाधिकारियों द्वारा भ्रम का निर्माण हो रहा था। संगठन के ध्यान में आते ही इस विषय पर तुरन्त आयुक्त कॉलेज शिक्षा को इस संबंध में स्पष्ट आदेश जारी करने का अनुरोध किया गया। संगठन की मांग व औचित्य को मध्य नजर रखते हुए आयुक्त कॉलेज शिक्षा ने आदेश क्रमांक एफ1(102)पीएस/निकाशि/13/2112 दिनांक 26-3-2015 द्वारा एरियर के नकद भुगतान के आदेश जारी कर दिए गये।

3. **उच्च शिक्षा मंत्री जी से भेंट** - संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने दिनांक 7 अप्रेल 2015 को उच्च शिक्षा मंत्रीजी से शिक्षकों की विभिन्न लम्बित समस्याओं के संबंध में भेंट कर उनके त्वरित सकारात्मक समाधान की मांग की। उच्च शिक्षा मंत्रीजी एवं विभाग के अन्य अधिकारियों के साथ 6 जनवरी को हुई भेंट के क्रम में मंत्रीजी ने संगठन को प्रगति कार्यवाही की जानकारी दी तथा लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान हेतु आश्वस्त किया। उच्च शिक्षा मंत्रीजी से हुई वार्ता में पदनाम परिवर्तन करने, पूर्व सेवा का लाभ देने, पीएच.डी. की वेतन वृद्धियों को दोहरा लाभ नहीं मानने, संतोषजनक ए.सी.आर. के आधार पर चयनित वेतनमान देने, आर.वी.आर.ई.एस. शिक्षकों को सी.ए.एस. लाभ देने सहित उनकी अन्य समस्याओं का निराकरण करने, निदेशक अकादमी के पद पर महाविद्यालय शिक्षक का पदस्थापन करने हेतु डी.पी.सी. के नियम बनाने, सेवारत शिक्षकों को पीएच.डी. कोर्स वर्क से छूट देने अथवा छह माह के सवैतनिक अवकाश की व्यवस्था करने, अन्य राज्य कर्मचारियों की भांति 2-1-2006 से 30-6-2006 के मध्य वार्षिक वेतनवृद्धि वाले शिक्षकों को अतिरिक्त वेतन वृद्धि देने, संविदा शिक्षकों को यू.जी.सी. द्वारा अनुशंसित न्यूनतम वेतन देने सहित अन्य लंबित समस्याओं को शिक्षक हित में हल करने की मांग की गई। संगठन के प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह, महामंत्री, संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट, संयुक्त सचिव डॉ. गंगाश्याम गुर्जर शामिल थे। वार्ता के समय विशेषाधिकारी डॉ. कमल मिश्रा एवं संयुक्त सचिव (उच्च शिक्षा) डॉ. दिलीप गोयल भी उपस्थित थे।

4. **मंत्रायलिक कर्मचारियों की भर्ती हेतु प्रक्रिया प्रारम्भ** - प्रदेश के महाविद्यालयों में मंत्रायलिक कर्मचारियों की कमी के चलते महाविद्यालयों में प्रशासनिक एवं सामान्य काम-काज पर विपरीत प्रभाव पड़ता रहा है। संगठन लगातार इस विषय को पत्रों द्वारा तथा व्यक्तिगत भेंट वार्ताओं में उठाता रहा है। संगठन के इन निरन्तर प्रयासों के कारण महाविद्यालय शिक्षा के लिए लिपिक ग्रेड II (कनिष्ठ लिपिक) के 192 पदों की अभ्यर्थना राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रायलिक सेवा चयन बोर्ड को भिजवाई गई है। शीघ्र ही इन पदों पर भर्ती हेतु विज्ञप्ति जारी होने की संभावना है।

5. **व्याख्याताओं के रिक्त पदों की भर्ती हेतु कार्यवाही** - प्रदेश के राजकीय महाविद्यालयों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए संगठन के निरन्तर प्रयासों के कारण राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 1070 पदों की भर्ती हेतु प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। इन पदों की अभ्यर्थना भेजने के बाद राजकीय महाविद्यालयों में सेवानिवृत्ति एवं अन्य कारणों से कई और पद रिक्त हो गए थे। संगठन द्वारा सरकार के ध्यान में यह विषय लाया गया एवं इन रिक्त पदों पर भी भर्ती की मांग की गई। संगठन की मांग से सहमत होते हुए व्याख्याताओं के 290 पदों पर भर्ती हेतु स्वीकृति के लिए प्रस्ताव वित्त विभाग को भिजवा दिया गया है। उम्मीद है कि शीघ्र ही इस संबंध में स्वीकृति मिलने के बाद भर्ती की प्रक्रिया संपन्न कर ली जायेगी।

6. **विश्वविद्यालयों का क्षेत्र निर्धारण** - राजस्थान सरकार के शिक्षा (ग्रुप-4) विभाग ने राजस्थान राज पत्र विशेषांक दिनांक 11 मार्च 2015 में जारी अधिसूचना क्रमांक प.14(39)शिक्षा-4/2012 दिनांक 4 मार्च 2015 द्वारा महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर की अधिकारिता का विस्तार भरतपुर व धौलपुर जिलों के समस्त महाविद्यालयों, राजर्षि भर्तृहरि विश्वविद्यालय, अलवर की अधिकारिता का विस्तार अलवर जिले के समस्त महाविद्यालयों तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावटी विश्वविद्यालय, सीकर की अधिकारिता का विस्तार सीकर व झुंझुंनु जिले के समस्त महाविद्यालयों पर किया है। उल्लेखनीय है कि इन विश्वविद्यालयों की स्थापना के समय से ही संगठन इनका क्षेत्राधिकार तय करने, भवन निर्माण करने, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नियुक्त करने की मांग करता रहा है। संगठन ने पुन: सरकार से मांग की है कि इन विश्वविद्यालयों सहित राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों को पर्याप्त बजट उपलब्ध करवा कर संसाधनगत कमियों को शीघ्र पूरा किया जावे।

7. **परिवीक्षा काल में कार्यरत व्याख्याताओं का मानदेय संशोधित किया जाए** - संगठन की ओर से मुख्यमंत्रीजी, उच्च शिक्षा मंत्रीजी, सचिव उच्च शिक्षा एवं आयुक्त कॉलेज शिक्षा को पत्र लिखकर परिवीक्षा काल में कार्यरत व्याख्याताओं के मानदेय को शीघ्र संशोधित करने की मांग की गई है। उनके ध्यान में लाया गया है कि मुख्यमंत्रीजी द्वारा घोषणा के पश्चात् वित्त विभाग ने राज्य सेवा में परिवीक्षा काल में कार्यरत कर्मचारियों, अधिकारियों के मानदेय को आदेश क्रमांक एफ-14(1)एफडी/रुल्स/2014 पीटी/दिनांक 24-12-2014 द्वारा राजस्थान सिविल सेवा नियम (पुनरीक्षित वेतनमान) द्वितीय संशोधन 2014 से संशोधित कर दिया है, किन्तु महाविद्यालयों में प्रोबेशनर ट्रेनी व्याख्याताओं को इसका लाभ अभी तक नहीं मिला है। अतः उक्त संशोधित आदेश महाविद्यालय शिक्षकों हेतु अविलम्ब जारी कर उनके वित्तीय अधिकार दिये जाए।

सांगठनिक एवं वैचारिक कार्यक्रम

1. **नव संवत्सर पर विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न** - संगठन की विभिन्न इकाईयों ने नववर्ष विक्रम संवत २०७२ के शुभावसर पर केन्द्र की योजनानुसार समारोह पूर्वक कार्यक्रम सम्पन्न किए। महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में शिक्षक साथियों एवं विद्यार्थियों को तिलक लगाकर एवं प्रसाद वितरित कर शुभेच्छा दी गई। सार्वजनिक चौराहों पर भी संगठन के कार्यकर्ताओं ने खड़े रहकर समाज बंधुओं की नववर्ष की शुभकामनाएं देते हुए प्रसाद आदि का वितरण किया।

   डूंगर महाविद्यालय **बीकानेर** में वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत के नेतृत्व में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर डॉ. शशिकांत, डॉ. मूलचन्द माली, श्री बीरबल मेघवाल, डॉ. मोइनुद्दीन, प्रो. उज्ज्वल गोस्वामी, डॉ. संजय आचार्य, डॉ. पुष्पेन्द्रसिंह, डॉ. अनामी भार्गव सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

   राजर्षि महाविद्यालय, गौरीदेवी कला महाविद्यालय एवं बाबू शोभाराम कला महाविद्यालय, **अलवर** के सदस्यों द्वारा अलवर नंगली चौराहे पर आमजन को तिलक-मिश्री द्वारा नववर्ष की शुभेच्छा दी गई। कार्यकर्ताओं द्वारा इसी प्रकार के शुभकामना कार्यक्रम तीनों महाविद्यालयों में अलग-अलग भी आयोजित किए गए। इस अवसर पर राजर्षि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दीपचन्द गुप्ता, कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती ज्योति सिन्हा, डॉ. गंगाश्याम गुर्जर, डॉ. रचना आसोपा, डॉ. शशिकांत गुप्ता, डॉ. कर्मवीर, डॉ. रितु गुप्ता, डॉ. धनंजयसिंह, डॉ. बुद्धिमती यादव, डॉ. शैफाली बार्थोनिया सहित अनेक प्राध्यापक उपस्थित थे।

   रामेश्वरी देवी कला महाविद्यालय, **भरतपुर** में संगठन इकाई द्वारा कॉलेज के मुख्य द्वार पर छात्राओं को तिलक लगाकर व मिष्ठान्न वितरण कर नववर्ष का स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ. मानवेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ. सुनील गुप्ता, डॉ. रजनी वशिष्ठ, डॉ. कविता आचार्य, डॉ. अल्का गोयल, डॉ. के. के. गुप्ता, डॉ. कमलेश, डॉ. राजलक्ष्मी गौतम, डॉ. अंजली भारतीय आदि उपस्थित थे।

   सिरोही की संगठन इकाई द्वारा समारोहपूर्वक नववर्ष का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सिरोही के दोनों राजकीय महाविद्यालयों एवं एक निजी महाविद्यालय के शिक्षकों की संयुक्त गोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता श्री कैलाश जोशी ने नई पीढ़ी में राष्ट्रीय चेतना जगाने की जरूरत पर बल दिया। कार्यक्रम में श्री सुनील व्यास, डॉ. के. के. शर्मा, डॉ. संजय पुरोहित ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संचालन प्रो. कैलाश गहलोत ने किया।

   एम. एस. जे. महाविद्यालय, **भरतपुर** में डॉ. सतीश त्रिगुणायत, डॉ. जग्गोसिंह, डॉ. अनिल सक्सेना, डॉ. योगेन्द्र भानु, डॉ. बी.के. गुप्ता आदि कार्यकर्ताओं ने नेतृत्व में महाविद्यालय में छात्रों एवं शिक्षकों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी गई।

राजकीय महाविद्यालय, **कोटा** में नववर्ष के शुभावसर पर शिक्षकों एवं परीक्षा देने आए विद्यार्थियों का तिलक प्रसाद द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर इकाई अध्यक्ष एवं प्राचार्य प्रो. टी. सी. लोया, डॉ. गीताराम शर्मा, डॉ. सुब्रत शर्मा, डॉ. सोहराब शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजकीय कन्या महाविद्यालय, **कोटपुतली** में संगठन इकाई द्वारा नववर्ष समारोह पूर्वक मनाया गया। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर एवं तिलक लगाकर शुभेच्छा दी गई। इस अवसर पर इकाई अध्यक्ष एवं प्राचार्य प्रो. आर. सी. खंडूरी, उपप्राचार्य प्रो. वी. डी. गुप्ता, राजकीय महाविद्यालय कोटपुतली के प्राचार्य प्रो. ओ. पी. गुप्ता, प्रो. एम. पी. कुमावत, प्रो. संगीता सिन्हा आदि उपस्थित थे।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, **अजमेर** में भारतीय कालगणना की महत्ता पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. दीपक राज मेहरोत्रा ने की। संगोष्ठी में महामंत्री, प्रो. एस. के देव, डॉ. एस. के. बिस्सु, डॉ. मनोज अवस्थी, डॉ. अनिल दाधीच ने अपने विचार रखे। नव संवत्सर के अवसर पर अजमेर के दोनों राजकीय महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं दी गई तथा क्लॉक टावर चौराहे पर कार्यकर्ताओं द्वारा आमजनों को मिश्री, कालीमिर्च, नीम का प्रसाद देकर तिलक लगाकर शुभकामनाएं दी गई तथा नववर्ष का साहित्य वितरित किया गया।

राजकीय महाविद्यालय, **गंगापुरसिटी** में नवसंवत्सर के अवसर पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें प्रो. रामरतन मीना, डॉ. गोपाल लाल सोनी, डॉ. पृथ्वीराज मीना, डॉ. बिहारी लाल मीना, प्रो. महेन्द्र मीना, प्रो. सुरेशचन्द, प्रो. ज्ञानेश्वर आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

राजकीय महाविद्यालय, **चुरु** में संगठन इकाई द्वारा नव वर्ष का स्वागत उत्साह पूर्वक ढंग से किया। भारतीय काल गणना की महत्ता से संबंधित जानकारी छपा कर वितरित की गई। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में डॉ. कमलसिंह कोठारी, डॉ. सुरेन्द्र सोनी, डॉ. भवानीशंकर शर्मा आदि ने अपने विचार व्यक्ति किये।

राजकीय महाविद्यालय, **चिमनपुरा** में संगठन इकाई द्वारा नववर्ष का स्वागत शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को तिलक लगाकर एवं प्रसाद वितरित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. सरस्वती मित्तल, प्रो. सूरजमल चांदोलिया के नेतृत्व में अनेक शिक्षक उपस्थित थे।

राजकीय महाविद्यालय, **नसीराबाद** में वैज्ञानिक एवं वैश्विक कालगणना पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. अनिल गुप्ता थे। अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. कल्पना गौड़ ने की। संगोष्ठी में उपप्राचार्य डॉ. गिरजेश उपाध्याय, प्रो. अतुल अग्रवाल, प्रो. संजीव वर्मा, डॉ. कमलेश रावत, प्रो. एन. के. रांका सहित अनेक शिक्षकों ने भाग लिया।

राजकीय महाविद्यालय, **तारानगर** में नवसंवत्सर पर आयोजित गोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. सुरेन्द्र सोनी रहे। संगोष्ठी में महाविद्यालय में समस्त शिक्षक उपस्थित थे।

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा की संगठन इकाई द्वारा नवसंवत्सर के अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तिलक लगाकर एवं मिश्री खिलाकर मंगलकामनाएं दी गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं में डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. दीपक शर्मा, डॉ. सोमकांत भोजक, डॉ. नाथूलाल सुमन, डॉ. अरुण रघुवंशी, डॉ. रामनिवास चौधरी आदि उपस्थित थे।

2. **अम्बेड़कर जयंती पर नमन** - संगठन की विभिन्न इकाईयों द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेड़कर की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। 14 अप्रेल को प्रात: काल कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर अवस्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके कर्त्तत्व एवं व्यक्तित्व का स्मरण किया तथा उनकी बताई समरसता की राह पर चलने का संकल्प लिया।

3. **प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** - रुक्टा (राष्ट्रीय) की नवमनोनीत कार्यकारिणी की बैठक देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर में संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह की अध्यक्षता में 21 मार्च को सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम महामंत्री ने गत कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही विवरण सदन के समक्ष रखा जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके पश्चात् गत बैठक के बाद संगठन की गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया तथा शिक्षक समस्याओं पर चर्चा की गई।

बैठक के द्वितीय सत्र में शैक्षणिक सत्र 2015-16 की वार्षिक कार्य योजना को अंतिम रूप दिया गया। वार्षिक योजना में सदस्यता अभियान जुलाई माह के प्रथम पखवाड़े में सम्पन्न करने का निर्णय लिया गया। पिछले सत्र के अनुभव के आधार पर कार्यकारिणी ने यह तय किया कि 1 जुलाई को अधिकतम सदस्यता संग्रहित कर ली जाए तथा शेष बची सदस्यता को अभियान पूर्वक 15 जुलाई तक आवश्यक रूप से पूर्ण कर लिया जाए। 15 जुलाई के पश्चात् संगठन की वार्षिक सदस्यता इस सत्र के लिए इकाई द्वारा नहीं लिए जाने का निर्णय भी लिया गया।

वार्षिक कार्य योजना में गुरु पूर्णिमा (इस बार 31 जुलाई) पर इकाईश: गुरु वन्दन कार्यक्रम, अगस्त में विस्तृत कार्यकारिणी बैठक, सितम्बर में विभागश: सम्मेलन एवं शाश्वत जीवन मूल्य कार्यशालाएं, अक्टूबर में राष्ट्रीय अधिवेशन, नवम्बर में प्रदेश कार्यकारिणी बैठक, दिसम्बर-जनवरी में प्रदेश अधिवेशन एवं इकाईश: कर्तव्य बोध दिवस, फरवरी-मार्च में प्रदेश कार्यकारिणी बैठक एवं नवसंवत्सर कार्यक्रम तथा जून माह में विस्तृत कार्यकारिणी बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

इस सत्र के जून माह में दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग हेतु तिथियाँ व स्थान तय करके अपेक्षित कार्यकर्ताओं को अलग से सूचित करने का निर्णय लिया गया।

तृतीय सत्र में संगठन की विभाग रचना के बारे में विस्तृत चर्चा कर विभागों का पुनर्गठन किया गया तथा 5 नवीन विभागों की रचना की गई। सभी विभागों में अध्यक्ष, सचिव, सहसचिव एवं महिला प्रतिनिधि, प्रकोष्ठों एवं समितियों के नामों पर चर्चा कर अध्यक्ष, महामंत्री को अंतिम रूप देने हेतु अधिकृत किया गया।

समारोप सत्र में पाथेय देते हुए अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठन मंत्री श्री महेन्द्रजी कपूर ने कहा कि निरन्तर नवीन कार्यकर्ताओं का निर्माण होने से ही संगठन बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि संगठन के सदस्यों में एकात्म भाव होना आवश्यक है। इसके साथ ही अध्ययनशीलता भी हमें बढ़ानी होगी। जिससे शिक्षा एवं समाज से जुड़े विषयों पर हमारी सोच अधिकाधिक स्पष्ट हो सके। उन्होंने कहा कि संगठन को व्यक्ति केन्द्रिता से बच कर सामूहिक निर्णय की प्रवृत्ति पर चलने का निरन्तर अभ्यास करना होगा। अध्यक्षता करते हुए संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह ने कहा कि हमें शैक्षिक क्षेत्र में उन्नयन का कार्य करने के लिए और अधिक सक्रियता एवं मनोयोग से कार्य करने की आवश्यकता है।

अंत में गत बैठक के पश्चात् दिवगंत शिक्षक साथियों को दो मिनट मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के महामंत्री प्रो. जगदीश प्रसाद सिंघल एवं शैक्षिक मंथन पत्रिका के संपादक प्रो. संतोष पाण्डेय ने भी मार्गदर्शन दिया।

4. **विभागीय समितियों, प्रकोष्ठों एवं अन्य समितियों का गठन** - प्रदेश कार्यकारिणी ने विभिन्न इकाईयों, सदस्यों एवं कार्यकारिणी के मध्य सतत सम्पर्क बनाए रखने हेतु प्रदेश स्तर पर विभिन्न प्रकोष्ठों, समितियों तथा विभाग स्तर पर समितियों का गठन किया है। उच्च शिक्षा क्षेत्र में अपने कार्य के विस्तार, पिछले सत्रों के अनुभव, भौगोलिक आधार एवं विभागीय कार्यकर्ताओं के द्वारा विभाग के सदस्यों से नियमित सघन सम्पर्क की आवश्यकता को देखते हुए प्रदेश कार्यकारिणी ने प्रदेश में विभागों का पुनर्गठन किया है तथा विभागों की संख्या 13 से बढ़ा कर 18 की गई है। संगठन कार्य की दृष्टि से राजस्थान प्रदेश में तीन संभागों की रचना की गई है।

चित्तौड़ संभाग - चित्तौड़ संभाग 7 में विभागों की रचना की गई है :

विभाग का नाम	विभाग में शामिल जिले
बांसवाड़ा	बांसवाड़ा, डूंगरपुर
उदयपुर	उदयपुर, राजसमंद
चित्तौड़	चित्तौड़, प्रतापगढ़
भीलवाड़ा	भीलवाड़ा
अजमेर	अजमेर
कोटा	कोटा, बून्दी
बारां	बारां, झालावाड़

जयपुर संभाग - जयपुर संभाग में 6 विभागों की रचना है :

विभाग का नाम	विभाग में शामिल जिले/स्थान
भरतपुर	भरतपुर, धौलपुर
अलवर	अलवर, बांदीकुई
जयपुर प्रथम	दौसा जिला (बांदीकुई छोड़कर), कोटपुतली, चिमनपुरा, जयपुर शहर
जयपुर द्वितीय	टोंक जिला, कालाडेरा, सांभर, चौमूं
सवाईमाधोपुर	सवाईमाधोपुर, करौली
सीकर	सीकर, चुरु, झुंझुंनु

जोधपुर संभाग - जोधपुर संभाग में 5 विभागों की रचना की गई है :

विभाग का नाम	विभाग में शामिल जिले
श्रीगंगानगर	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़
बीकानेर	बीकानेर, नागौर
बाड़मेर	बाड़मेर, जैसलमेर
जोधपुर	जोधपुर
पाली	पाली, जालोर, सिरोही

विभागीय समितियाँ

क्रं.	विभाग	अध्यक्ष	सचिव	सहसचिव	महिला प्रतिनिधि
1.	भरतपुर	डॉ. मनोज कुमार शर्मा धौलपुर	डॉ. योगेन्द्र भानु भरतपुर	प्रो. महेन्द्रकुमार बयाना	डॉ. विजयलक्ष्मी शर्मा धौलपुर
2.	अलवर	डॉ. हनुमान सहाय कुम्हार बांदीकुई	डॉ. कर्मवीर अलवर	डॉ. अजयकुमार वर्मा अलवर	डॉ. रितु गुप्ता अलवर
3.	जयपुर-1	डॉ. पप्पूलाल गुप्ता जयपुर	डॉ. राजेश जांगिड़ कोटपुतली	डॉ. राकेश शर्मा दौसा	डॉ. संगीता सिन्हा कोटपुतली
4.	जयपुर-2	डॉ. गिरधारीलाल रेगर सांभर	डॉ. विजय गोयल कालाडेरा	डॉ. रामस्वरूप मीना टोंक	डॉ. प्रतिभा गौड़ चौमूं
5.	सवाईमाधोपुर	डॉ. राजेन्द्र शर्मा सवाईमाधोपुर	डॉ. पुरुषोत्तमसिंह गंगापुरसिटी	डॉ. विजेन्द्र शर्मा करौली	डॉ. रविबाला गोयल गंगापुरसिटी
6.	सीकर	डॉ. आर.एस. अहीर सीकर	डॉ. चेतन शर्मा सीकर	डॉ. देवीशंकर शर्मा सरदारशहर	डॉ. पुष्पा चौधरी सीकर
7.	श्रीगंगानगर	डॉ. रामसिंह राजावत श्रीगंगानगर	डॉ. अमरसिंह नोहर	डॉ. श्यामवीर सिंह हनुमानगढ़ डॉ. श्यामलाल श्रीगंगानगर	डॉ. पूनम दत्ता सूरतगढ़

क्रं.	विभाग	अध्यक्ष	सचिव	सहसचिव	महिला प्रतिनिधि
8.	बीकानेर	श्री बीरबल मेघवाल बीकानेर	डॉ. हरसुख छरंग नागौर	डॉ. ओ.पी. शर्मा डीडवाना	डॉ. सुमन राठौड़ नोखा
9.	बाड़मेर	डॉ. लक्ष्मीनारायण नागौरी जैसलमेर	डॉ. नेमीचन्द गर्ग जैसलमेर	डॉ. मांगीलाल जैन बाड़मेर डॉ. अरुण गौड़ बालोतरा	डॉ. प्रतिभा सिंघवी बालोतरा
10.	जोधपुर	डॉ. ओ.पी. देवासी जोधपुर	डॉ. बलवीर चौधरी जोधपुर	डॉ. ईश्वरचन्द शर्मा बिलाड़ा	-
11.	पाली	डॉ. भंवरसिंह राठौड़ पाली	डॉ. संजय पुरोहित सिरोही	डॉ. अरुण दवे भीनमाल	डॉ. दीप्ति चतुर्वेदी पाली
12.	बांसवाड़ा	डॉ. महीपालसिंह बांसवाड़ा	डॉ. गणेश निनामा डूंगरपुर	डॉ. नरेन्द्र पानेरी बांसवाड़ा	डॉ. सुधा भाटिया डूंगरपुर
13.	उदयपुर	डॉ. रामेश्वर आमेटा नाथद्वारा	डॉ. मनोज बहरवाल उदयपुर	डॉ. अशोक सोनी उदयपुर डॉ. भवशेखर खैरवाड़ा	डॉ. प्रेमलता स्वर्णकार उदयपुर
14.	चित्तौड़	डॉ. पीयूष शर्मा चित्तौड़	डॉ. संदीप शर्मा चित्तौड़	डॉ. भरत वैष्णव निम्बाहेड़ा डॉ. सरोजकुमार कपासन	डॉ. भारती मेहता चित्तौड़
15.	भीलवाड़ा	प्रो. कोमलसिंह मेहता भीलवाड़ा	डॉ. सावन जांगिड़ भीलवाड़ा	डॉ. पुष्कराज मीना शाहपुरा	डॉ. वीना सक्सेना भीलवाड़ा
16.	अजमेर	प्रो. पुखराज देपाल ब्यावर	प्रो. अनिल गुप्ता केकड़ी	डॉ. मंदरूप देवड़ा ब्यावर प्रो. अतुल अग्रवाल नसीराबाद	डॉ. मधु गुप्ता अजमेर
17.	कोटा	डॉ. विजय पंचोली कोटा	डॉ. गीताराम शर्मा कोटा	डॉ. राहुल सक्सेना बूंदी	डॉ. मीनू महेश्वरी कोटा
18.	बारां	प्रो. कृष्ण मुरारी मीना बारां	डॉ. गजेन्द्र मालवीय झालावाड़	डॉ. सतीश अग्रवाल बारां	-

शैक्षिक प्रकोष्ठ :- संयोजक -डॉ. राजेन्द्र शर्मा जयपुर, सह संयोजक -डॉ. भवानीशंकर शर्मा चुरु, सदस्य -डॉ. अन्नाराम शर्मा श्रीगंगानगर, डॉ. विक्रमजीत बीकानेर, डॉ. रेखा यादव अजमेर, डॉ. के. के. शर्मा सिरोही।

प्रचार प्रकोष्ठ :- संयोजक-डॉ. शशिकांत गुप्ता अलवर, सहसंयोजक -डॉ. विवेक मण्डोत डूंगरपुर, सदस्य - डॉ. अनिल दाधीच अजमेर, डॉ. सोहराब शर्मा कोटा, डॉ. सतीश आचार्य उदयपुर।

कृषि प्रकोष्ठ :- संयोजक-प्रो. भगतसिंह चिमनपुरा, सदस्य- डॉ. विजयसिंह जाट सवाईमाधोपुर, डॉ. सीताराम कुमावत, चिमनपुरा, डॉ. धीरेन्द्रसिंह सवाईमाधोपुर।

विधि प्रकोष्ठ :- संयोजक -प्रो. उषा यादव अलवर, सदस्य-प्रो. दिलसुख सीकर, डॉ. श्योराजसिंह परमार जयपुर, प्रो. रामचरण मीना अजमेर।

शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ - संयोजक-प्रो. अशोक सिडाना जयपुर, सदस्य - प्रो. मुदित राठौड़ जामडोली, डॉ. जितेन्द्र शर्मा, भोपालगढ़, डॉ. सुमनबाला, अजमेर।

सेवानिवृत्त शिक्षक प्रकोष्ठ :- संयोजक-प्रो. आर. एल. मिश्रा सीकर, सह संयोजक - प्रो. घनश्यामलाल अलवर सदस्य - डॉ. श्याम सुन्दर भट्ट भीलवाड़ा, डॉ. ओ. पी. गर्ग कोटा, डॉ. एन. के. सोनी बीकानेर, डॉ. एम. एल., साहू कोटा, डॉ. संतोष अग्रवाल सवाईमाधोपुर।

राजकीय महाविद्यालय समिति :- अध्यक्ष - डॉ. सत्यनारायण शर्मा, अनूपगढ़, सचिव - डॉ. गंगाश्याम गुर्जर अलवर, सदस्य - प्रो. जे.पी. चौधरी कोटा, डॉ. प्रमोद शर्मा भरतपुर, डॉ. रमेश अग्रवाल अलवर, डॉ. मनरूपसिंह मीना धौलपुर, प्रो. प्रहलाद शर्मा सवाईमाधोपुर, डॉ. कन्हैयालाल गुर्जर टोंक, प्रो. बाबूलाल अग्रवाल निवाई, डॉ. देवाराम पाली, डॉ. मदनसिंह पूनिया सीकर, डॉ. कैलाश शर्मा चौमू, डॉ. बी. के. योगी कोटा, डॉ. चन्द्रशेखर शर्मा उदयपुर, प्रो. सरबनसिंह श्रीगंगानगर।

विश्वविद्यालय समिति - अध्यक्ष - प्रो. राजीव सक्सेना जयपुर, सचिव - डॉ. हीराराम जोधपुर सदस्य - डॉ. एन. के. पाण्डे जयपुर, डॉ. भगवती प्रसाद सारस्वत अजमेर, डॉ. ललित गुप्ता जोधपुर, डॉ. जी. एस. कुम्पावत उदयपुर, डॉ. कैलाश डागा जोधपुर, डॉ. अनिल बंसल जयपुर, डॉ. रवीन्द्र पालीवाल, कृषि जोबनेर, डॉ. पी. के. शर्मा खुला विश्वविद्यालय कोटा, डॉ. ईनाक्षी चतुर्वेदी जयपुर, डॉ. सुरेश अग्रवाल बीकानेर, डॉ. अखिलरंजन गर्ग जोधपुर, डॉ. सुनील परिहार जोधपुर, प्रो. ए. के. गुप्ता जोधपुर, डॉ. नारायण लाल हेडा कोटा।

कार्यकारिणी के पदों पर मनोनयन - प्रदेश कार्यकारिणी में बांसवाड़ा अधिवेशन में रिक्त रखे गए पदों पर सर्वसम्मति से मनोनयन किया। इनमें प्रदेश संगठन मंत्री - डॉ. ग्यारसीलाल जाट सीकर, चित्तौड़ संभाग संगठन मंत्री - डॉ. सुशील कुमार बिस्सु अजमेर, जयपुर संभाग संगठन मंत्री - डॉ. सतीश त्रिगुणायत भरतपुर, जोधपुर संभाग संगठन मंत्री - डॉ. हरिसिंह राजपुरोहित जालोर का मनोनयन किया गया। इसके अतिरिक्त डॉ. रामनिवास चौधरी, जयपुर को देराश्री शिक्षक सदन प्रभारी एवं डॉ. अतुल कुमार शर्मा, अजमेर को प्रधान कार्यालय मंत्री मनोनीत किया गया है। कार्यकारिणी में डॉ. कमल मिश्रा विशेषाधिकारी उच्च शिक्षा, डॉ. दिलीप गोयल संयुक्त सचिव (उच्च शिक्षा), डॉ. विष्णु गोयल विशेषाधिकारी तकनीकी शिक्षा एवं डॉ. विनोद शर्मा संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर को विशेष आमंत्रित रखा गया है। कार्यकारिणी ने रुक्टा (रा.) के सभी पूर्व अध्यक्षों एवं पूर्व महामंत्रियों को स्थायी आमंत्रित रखा है।

श्रद्धांजलि - राजस्थान सरकार के पूर्व उच्च शिक्षा मंत्री एवं भौतिक शास्त्र के पूर्व व्याख्याता प्रो. ललित किशोर चतुर्वेदी के निधन पर रुक्टा (राष्ट्रीय) गहन शोक व्यक्त करता है। प्रो. ललित किशोर चतुर्वेदी ने विभिन्न राजनैतिक दायित्वों का कुशलता से निर्वहन करते हुए भी अपने मूल शिक्षक स्वभाव से निकटता बनाए रखी थी। अपनी राजनैतिक व्यस्तताओं के बाद भी रुक्टा (राष्ट्रीय) के कार्यक्रमों में उनकी सतत सहभागिता रहती थी। प्रशासनिक अधिकारियों, राजनैतिक व्यक्तित्वों एवं शिक्षकों के मध्य वे शिक्षा एवं शिक्षक हित में कार्य करने की दृढ़ राजनैतिक इच्छा के लिए जाने एवं माने जाते थे। राष्ट्रीय विचारों के प्रति उनका समर्पित जीवन निश्चय ही अनुकरणीय है। संगठन ईश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवगंत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करे तथा सभी प्रियजनों, परिवारजनों को इस गहन शोक को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

सुखद ग्रीष्मावकाश की शुभकामनाओं के साथ।

भवदीय

(डॉ. नारायणलाल गुप्ता)

20, चित्रकूट कॉलोनी,
माकड़वाली रोड़, अजमेर-305004

अमृत वचन

"राष्ट्र एक जीवित आत्मा है। यह एक आत्मिक सिद्धान्त है। इसके लिए आवश्यक है स्मृतियों की बहुमूल्य विरासत का सामूहिक अधिकार तथा वर्तमान काल में वास्तविक सहमति। एक साथ रहने की इच्छा तथा अविभाजित विरासत जो हमारे पूर्वजों ने हमको सौंपी है,उसे कायम रखने की प्रबल इच्छा का होना नितान्त आवश्यक है। एक व्यक्ति की भाँति राष्ट्र भूतकालीन लोगों द्वारा किये गये सतत् प्रयत्न,त्याग और देशभक्ति का परिणाम है।" *-'बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेड़कर'*